मीरा दीवानी हुई | By Mannat Masoom Bhakti

प्रीत की डोर ये मोहन से बाँध ली जबसे
छोड़ महलो को हुई जोगन मीरा तबसे
ना इज़्ज़त की चिंता ना बदनामी का डर
घूमे गलियों मै दीवानी वो श्याम की होकर

मीरा दीवानी हुई श्याम की दीवानी हुई
छोड़ महलो की शान शौकतें मस्तानी हुई
मीरा दीवानी हुई .....

राणा विष देके बोला पीलो ऐ मेरी रानी
पी गई मीरा ज़हर जान के अमृत पानी
कोई कुछ भी कहे हर बात से अनजानी हुई
मीरा दीवानी हुई श्याम की दीवानी हुई

तेरी गलियों की मुसाफिर हूँ मैं तेरी मोहन
कहती दुनिया मुझे दीवानी मैं हुई जोगन
मुझे परवाह नहीं दुनिया से बेगानी हुई
मीरा दीवानी हुई श्याम की दीवानी हुई

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ae%e0%a5%80%e0%a4%b0%e0%a4%be-%e0%a4%a6%e0%a5%80%e0%a4%b5%e0%a4%be%e0%a4%a8%e0%a5%80-%e0%a4%b9%e0%a5%81%e0%a4%88-by-mannat-masoom-bhakti/